कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.) फोन/फैक्स नं.–07752.228225

बिलासपुर दिनांक 15.02.2022

–: सूचना :–

महाविद्यालय के समस्त बी.ए. भाग–एक, दो एवं तीन (स्वाध्यायी) परीक्षार्थियों को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण अध्ययन प्रायोगिक फाईल दिनांक 15.02.2022 से महाविद्यालय कार्यालय कक्ष क्रमांक–01 में जमा करें। फाईल जमा करने की अंतिम तिथि 28.02.2022 तक अनिवार्य रूप से जमा करें। परीक्षार्थी निम्नलिखित दिशा–निर्देश का अच्छी तरह अध्ययन कर लेवें।

दिशा–निर्देश

1. परियोजना प्रतिवेदन में पृष्ठ सीमा 10 से 15
2. सिर्फ दाहिने पृष्ठ पर लिखें, बाएँ पृष्ठ पर डायग्राम व फोटो चिपकाएँ।
3. रोल नम्बर आने के बाद ऑफिस (कक्ष क्रमांक–01) में फाईल जमा होगी प्रातः 11:00 से दोपहर 02:00 बजे के बीच।
4. प्रथम पृष्ठ पर विषय, कक्षा का नाम, विश्वविद्यालय का नाम, महाविद्यालय का नाम, स्वयं का नाम, पिता का नाम, नामांकन व सत्र सभी जानकारियाँ विधिवत लिखें।
5. सामग्री का चयन कहाँ से किया गया है, अंत में संदर्भ सूची में दें।
6. फाईल बिना प्लास्टिक कव्हर के सादे कागज ए–4 साईज पेपर पर स्वलिखित जमा करें।

प्रो. बालकुंवर साय पैकरा
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत
शासकीय जेपी वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. (श्रीमती) फेदोरो बरवा
प्रभारी
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी
शासकीय जेपी वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. (श्रीमती) दीपशिखा शुक्ला
प्र.प्राचार्य
शासकीय जेपी वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

प्राचार्य
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.) फोन / फैक्स नं.–07752.228225

बिलासपुर दिनांक 15.02.2022

–: सूचना :–

बी.ए. भाग–एक, दो एवं तीन (स्वाध्यायी) पर्यावरण अध्ययन

क्षेत्रीय सर्वेक्षण एवं परियोजना प्रतिवेदन

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय का चयन कर प्रतिवेदन तैयार करें–

1. पर्यावरण संरक्षण और उसका महत्व।
2. जल संसाधन और प्रबंधन ।
3. वन विनाश और उसके दुष्प्रभाव।
4. जैव विविधता और उसकी उपयोगिता
5. बढ़ती जनसंख्या और पर्यावरण।
6. सौर ऊर्जा और उसके उपयोग।
7. मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण।
8. प्रमुख सामाजिक समस्याएँ और समाधान।
9. कानून और पर्यावरण संरक्षण।
10. जैविक कृषि और उसका महत्व।
11. कीटनाशकों का बढ़ता प्रयोग और उसके दुष्परिणाम।
12. आपदा प्रबंधन।
13. पर्यावरण प्रदूषण और नियंत्रण के उपाय।
14. औद्योगिकीकरण और उसका प्रभाव।
15. खाद्य श्रृंखला और उसका महत्व।

नोटः– फाईल बिना प्लास्टिक कव्हर के सादे कागज ए–4 साईज पेपर पर स्वलिखित जमा करें।

प्रो. बालकुंवर साय
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत
शासकीय जेपी वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. (श्रीमती) फेदोरा बरवा
प्रभारी
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी
शासकीय जेपी वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. (श्रीमती) दीपशिखा शुक्ला
प्र.प्राचार्य
शासकीय जेपी वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

प्राचार्य
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.) फोन / फैक्स नं.—07752.228225

—: संदर्भ सूची :—

1. जाटव, बी.एल. 'पर्यावरण और शिक्षा 2010'
2. यादव, वीरेन्द्र सिंह, 'पर्यावरण वर्तमान और भविष्य'
3. श्रीवास्तव, मनीष, 'जनसंख्या प्रदूषण एवं पर्यावरण' 2005
4. सिंह, मीनाक्षी, '21वी शताब्दी की पर्यावरणीय समस्याएँ'
5. सिंह, निशान्त, 'पर्यावरण प्रदूषण एवं प्लास्टिक 2002'

अनुक्रमणिका

1. प्राक्कथन
2. प्रदूषण परिभाषा
3. प्रकार
4. नियंत्रण / समाधान / उपाय
5. निष्कर्ष